क्या हमें हेनोक की पुस्तक पर विश्वास करना चाहिए?

प्रश्न: हेनोक की पुस्तक क्या है, और क्या हमें, ईसाईयों के रूप में, इसे मानना चाहिए?

उत्तर: हेनोक की पुस्तक उन अपोक्रिफा (गुप्त) पुस्तकों में से एक है, जो लगभग ईसा पूर्व 200 से लेकर ईसा के बाद 400 वर्षों के बीच लिखी गई थीं। कुछ ईसाई मानते हैं कि ये पुस्तकें इसलिए छुपा कर रखी गईं क्योंकि इनमें परमेश्वर और संसार के इतिहास के गहरे रहस्य थे। इसलिए इन्हें सीधे उस बाइबल में शामिल नहीं किया गया जिसमें आज 66 पुस्तकें हैं।

पर यह सही नहीं है। इन्हें इसलिए नहीं निकाला गया क्योंकि वे परमेश्वर के रहस्य थीं, बल्कि इसलिए क्योंकि इनमें कई ऐसे तथ्य और कथाएँ थीं जो ईसाई विश्वास के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध थीं।

अब हेनोक की पुस्तक की बात करें तो यह 1700 के दशक में इथियोपिया में मिली थी, और बाद में इंग्लैंड में इसका अनुवाद हुआ। इसे ‘पहला हेनोक’ कहा जाता है क्योंकि इसके बाद अन्य संस्करण भी आए। इस पुस्तक के कुछ अंश 1947 में इसराइल में मृत

सागर के किनारे मिले प्राचीन पांडुलिपियों के साथ पाए गए। वहां कई पुराने धार्मिक ग्रंथ मिले, जिनमें से बाइबल के पुराने नियम की अधिकांश पुस्तकें थीं, सिवाय एस्तेर की पुस्तक के।

यह पुस्तक हेनोक के बारे में बताती है, जो आदम से सातवीं पीढ़ी के व्यक्ति थे (जैसा कि उत्पत्ति 5:18-24 में लिखा है)। हेनोक ने मृत्यु नहीं देखी, बल्कि एलिय्याह की तरह परमेश्वर द्वारा उठा लिया गया। इसलिए कई लोग मानते हैं कि उन्हें आध्यात्मिक रहस्यों की जानकारी दी गई और उन्होंने उन्हें भविष्य के लिए लिखा।

इस पुस्तक में पृथ्वी पर आने वाले स्वर्गदूतों (फ़रिश्तों) के बारे में भी लिखा है, जो मनुष्यों की बेटियों को देखकर उनसे प्रेम करने लगे और उनके साथ संबंध बनाए। इससे वे विशालकाय दानव पैदा हुए, जिन्हें उत्पत्ति 6 में पढ़ा जाता है। ये दानव अत्यंत दुष्ट थे, उन्होंने संसार में विनाश मचाया।

कहा जाता है कि ये विशालकाय 4500 फीट (लगभग 1300 मीटर) तक लम्बे थे — जो विश्वास करना कठिन है क्योंकि इतना बड़ा जीव स्त्री के गर्भ से जन्म नहीं ले सकता। परन्तु नेफीलिम वास्तव में बहुत बड़े और दुष्ट थे।

परमेश्वर को उनके कुकर्मों की खबर मिली, और उसने उन्हें अंधकार

के बंधनों में बंद कर दिया। हेनोक को बताया गया कि परमेश्वर संसार को बाढ़ के द्वारा नष्ट कर देगा — यह वह कहानी है जो हम बाइबल में जानते हैं।

लेकिन इस पुस्तक में बहुत सारी बातें वास्तविकता से परे और बाइबल के सिद्धांतों के विरुद्ध हैं।

हमें समझना चाहिए कि ये पुस्तकें अनेक मिथकों से भरी हैं, जो ईसाइयों के लिए हानिकारक हो सकती हैं। इसलिए इन्हें 66 पुस्तकों वाली प्रेरित बाइबल में शामिल नहीं किया गया क्योंकि वे पवित्र आत्मा से प्रेरित नहीं हैं और वास्तविक शास्त्र के सिद्धांतों के विरुद्ध हैं।

येशु ने कहा:

“येशु ने उन्हें उत्तर दिया और कहा, ‘तुम धोखे में हो
क्योंकि तुम शास्त्रों को और परमेश्वर की शक्ति को नहीं जानते।
क्योंकि पुनरुत्थान के समय वे न विवाह करते हैं न विवाह देते हैं, बल्कि स्वर्गदूतों के समान होते हैं।’”
— मत्ती 22:29-30

ध्यान दें, बाइबल में कहीं भी यह नहीं लिखा कि फ़रिश्ते विवाह करते हैं या संतान पैदा करते हैं। फ़रिश्ते प्रजनन के लिए नहीं बनाए गए हैं, वे आध्यात्मिक प्राणी हैं जिनकी संख्या पूर्ण है। यह धारणा कि वे पृथ्वी पर आए और मनुष्यों से संतान उत्पन्न की, गलत है और हेनोक की पुस्तक से प्रेरित एक झूठी शिक्षा है, जिसे कई ईसाई आज भी मानते हैं।

जो ‘फ़रिश्ते’ मनुष्यों की बेटियों को देखकर प्रेम करते थे, वे वास्तव में परमेश्वर के पवित्र फ़रिश्ते थे, जिन्होंने संसार की बातों में न पड़कर सदैव परमेश्वर की स्तुति की। उत्पत्ति 4:26 में सेथ की संतान के लिए पढ़ें। मनुष्यों की बेटियाँ कैन की संतान थीं, जो अधर्म और अत्याचार के लिए जानी जाती थीं (उत्पत्ति 4:16-23)।

जब ये दोनों वंश मिल गए, तो परमेश्वर क्रोधित हुआ और संसार को विनाश के लिए बाढ़ भेजी। आज भी यदि परमेश्वर के लोग संसार की नकल करें और पाप में पड़ जाएं, तो यही परिणाम होता है। परमेश्वर के लोग संसार से अलग होते हैं।

इसलिए, किसी भी ईसाई को बाइबल के बाहर की पुस्तकों पर बिना सावधानी के विश्वास नहीं करना चाहिए। इनमें कई त्रुटियां और झूठे कथन होते हैं, जो मनुष्यों ने बनाए और पवित्र आत्मा द्वारा प्रेरित नहीं हैं।

उदाहरण के लिए, कैथोलिक चर्च ने कुछ अपोक्रिफा पुस्तकों को अपनी बाइबल में शामिल किया है, जिनकी संख्या 73 हो गई है, जैसे युदीथा, बरूख, सिराक, मकाबीयाई आदि। ये पुस्तकें कुछ ऐसी शिक्षाएँ देती हैं जो शास्त्र के खिलाफ हैं, जैसे परलोक में पापियों की शुद्धि के लिए ‘फेयरगुफेर’ का विचार या मृतकों के लिए प्रार्थना। परन्तु बाइबल कहती है:

“मनुष्य के लिए एक बार मरना और फिर न्याय का सामना करना तय है।”
— इब्रानियों 9:27

इसलिए अपोक्रिफा पुस्तकें, जैसे हेनोक की पुस्तक, विश्वास योग्य नहीं हैं। इनमें बहुत सी गलतियाँ और झूठे सिद्धांत हैं, जो बाइबिल की सच्चाई को भ्रमित करते हैं।

परमेश्वर आपको आशीर्वाद दे।

कृपया इस सुसमाचार को दूसरों के साथ भी साझा करें।

[illegible]?

Share on:
WhatsApp